भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : 75
गुरुवार, 07 दिसम्बर, 2023/16 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग

***75. श्री टी.आर.वी.एस.रमेश:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विमानन के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि विमान यातायात प्रबंधन, यात्री सेवाओं और विमान अनुरक्षण में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने प्रचालनात्मक दक्षता में सुधार के लिए विमानन क्षेत्र में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए पहल की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

"विमानन क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 07.12.2023 के तारांकित (*) प्रश्न सं. 75 के उत्तर के भाग (क) से (घ) में संदर्भित विवरण।

(क) से (घ): नागर विमानन क्षेत्र में सुरक्षा एवं संरक्षा को बेहतर बनाने तथा यात्रियों की सुविधा के क्रम में नागर विमानन मंत्रालय ने विमानन सुरक्षा एवं संरक्षा विनियामकों, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा अन्य हितधारकों को, प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों द्वारा किए गए उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ इन-लाइन बैगेज सुविधा, सेल्फ बैगेज ड्रॉप सुविधा, जीपीएस एडेड जीईओ ऑगमेंटेड नेविगेशन (जीएजीएएन), हवाईअड्डा प्रचालन नियंत्रण केंद्र, हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) स्वचालन प्रणाली का संवर्धन, एडवांस सरफेस मूवमेन्ट एवं गाइडेन्स कन्ट्रोल सिस्टम, एडीएस-बी आधारित अप्रोच निगरानी सेवाएं, अत्याधुनिक हवाई यातायात प्रवाह प्रबंधन केंद्रीय कमांड सेंटर, हवाईअड्डा सहयोगात्मक निर्णयन प्रणाली, कंप्यूटेड टोमोग्राफी एक्सप्लोसिव डिटेक्शन सिस्टम (सीटी-ईडीएस), रियल टाइम वेट डिस्प्ले सिस्टम, रेडियोएक्टिव डिटेक्शन इक्विपमेंट (आरडीई), पेरीमीटर इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम, इत्यादि शामिल हैं। ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस तथा यात्रियों की सहुलियत को बेहतर बनाने के लिए ई-जीसीए, ई-बीसीएएस, ई-एसएएचएजे, एयरसेवा, डिजीयात्रा, इत्यादि जैसी पहलें भी की गईं हैं।

*****